Children now we are starting class 3

पाठ 1- सवेरा ।

1

सवेरा

(कविता)

प्रतिध्वनि

"इंसान अपने विचारों से निर्मित प्राणी है,
वो जैसा सोचता है वैसा बन जाता है।" – महात्मा गांधी

उदय हुआ सूरज पूरब में
आसमान में छाई लाली,
रही न रात, न रहा अँधेरा
रही न चंदा की उजियाली।

डाल-डाल पर बैठे पक्षी
चहचह-चहचह चहक रहे हैं,
खिले फूल, मुस्काई कलियाँ
सारे उपवन महक रहे हैं।

हवा बह रही धीमी-धीमी
शीतल, मंद और सुखदाई,
जाग गए हैं खेत, बाग-वन
पेड़ ले रहे हैं अँगड़ाई।

कण-कण पर बिखरे हैं मोती
कण-कण बिखरी हैं मणियाँ,
कितनी मनोहर कितनी सुंदर
सुखद सुहानी ये घड़ियाँ।

–द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

जीवन मूल्य : हमें अपने जीवन को सभी प्रकार से सुंदर बनाने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए।

शब्दार्थ

उदय	- प्रकट होना	उजियाली	- रोशनी	उपवन	- बगीचा
शीतल	- ठंडी	सुखदाई	- सुख देने वाली	सुंदर	- अच्छा
मंद	- धीमी	मनोहर	- मन को हरने वाली	घड़ियाँ	- क्षण

पाठ्यविषयी मूल्यांकन (Curricular Assessment)

लिखित [Writing Skills (comprehension, spelling, vocabulary, grammar)]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) इस कविता में किस समय का वर्णन किया गया है?

(ख) सूर्य निकलने पर क्या-क्या होता है?

(ग) हवा में कौन-सी विशेषता पायी जाती है?

2. सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए–

(क) खिले फूल, ... कलियाँ

(ख) ..... बह रही धीमी-धीमी

(ग) कण-कण पर बिखरे हैं .....

(घ) रही न ..... की उजियाली।

3. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए– [Multiple Choice Questions (MCQs)]

(क) सूरज के उदय होने पर आसमान में क्या छा जाती है?

(i) रात ○ (ii) लाली ○ (iii) काली

(ख) प्रस्तुत कविता में कौन चहचह-चहचह चहक रहे हैं?

(i) फूल ○ (ii) बगीचे ○ (iii) पक्षी ○

(ग) सुंदर सुखद सुहानी किसे कहा गया है?

(i) कलियाँ ○ (ii) मणियाँ ○ (iii) घड़ियाँ ○

पाठ -1

सवेरा

कविता का भावार्थ –

प्रस्तुत कविता में कवि कहते हैं कि जैसे ही सूर्य पूर्व दिशा से निकलता है या प्रकट होता है तो आसमान में लालिमा छा जाती है । उस समय न तो रात रहती है , न ही अँधेरा रहता है और न ही चंद्रमा की रोशनी दिखाई देती है ।

सुबह होते ही बाग में फूल खिल जाते हैं एवं कलियाँ मुस्काने लगती हैं अर्थात् बहुत ही सुंदर लगती हैं। सारा बाग फूल की खुशबू से महकने लगता है और पेड़ों की डालियों पर बैठे पक्षियों के चहचहाने की मधुर आवाज़ें सुनाई पड़ने लगती हैं ।

प्रातः काल की हवा स्वच्छ एवं मनोहारी होती है । धीरे –धीरे बहती हवा ठंडी एवं सुख प्रदान करने वाली लग रही है और ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो इस धीमी बहती हवा से सारे खेत , बगीचे और वन(जंगल) जाग उठे हैं एवं पेड़ भी हवा के झोंको से ऐसे हिल रहे हैं कि उन्हे देखकर लगता है वे अँगड़ाई ले रहें हों । उनमें नई स्फूर्ति का संचार हो गया है ।

सुबह सूर्य की किरणों को देखकर ऐसा लगता है कि जैसे धरती के कण-कण पर हीरे और मोती बिखरे हुए हैं । चारों ओर देखने पर प्रकृति बहुत ही सुंदर प्रतीत हो रही है तथा ये क्षण अत्यंत ही सुहाने , सुख देने वाले एवं मन को हरने वाले लग रहें हैं।

उसी प्रकार जब हम पर दुख या विपत्ति आती है तो वह भी कभी न कभी दूर हो जाती है और चारों ओर खुशी का वातावरण हो जाता है तथा हमारे अंदर का अंधकार दूर हो जाता है। जिस प्रकार रात के बाद सवेरा होता है उसी प्रकार दुख के बाद सुख आता है ।

जीवन मूल्य :- हमें अपने जीवन को सभी प्रकार से सुंदर बनाने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए।

नोट :- केवल पढ़ने एवं समझने के लिए ।

लिखित

शब्दार्थ -

1. उदय – प्रकट होना
2. शीतल - ठंडी
3. मंद - धीमी
4. उजियाली – रोशनी
5. सुखदाई - सुख देने वाली
6. मनोहर – मन को हरने वाली
7. उपवन – बगीचा
8. सुंदर – अच्छा
9. घड़ियाँ - क्षण

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) इस कविता में किस समय का वर्णन किया गया है ?

उत्तर – इस कविता में प्रातः काल (सुबह) का वर्णन किया गया है।

(ख) सूर्य निकलने -पर क्या –क्या होता है ?

उत्तर –सूर्य निकलने पर रात का अँधेरा तथा चंद्रमा का उजाला समाप्त हो जाता है एवं पूर्व दिशा के आसमान में लालिमा छा जाती है ।

(ग) हवा में कौन-सी विशेषता पायी जाती है ?

उत्तर – हवा शीतल , मंद और सुखदाई होती है ।

2 . सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए -

(क) खिले फूल , **मुस्काई** कलियाँ

(ख) **हवा** बह रही धीमी - धीमी

(ग) कण –कण पर बिखरे हैं **मोती**

(घ) रही न **चंदा** की उजियाली ।

3. सही उत्तर पर (√) का चिह्न लगाइए –

(क) सूरज के उदय होने पर आसमान में क्या छा जाता है ?

(i) रात ◯ (ii) लाली (√) (iii) काली ◯

(ख) प्रस्तुत कविता में कौन चहचह – चहचह चहक रहें हैं ?

(i) फूल ◯ (ii) बगीचे ◯ (iii) पक्षी (√)

(ग) सुंदर सुखद सुहानी किसे कहा गया है ?

(i) कलियाँ ◯ (ii) मणियाँ ◯ (iii) घड़ियाँ (√)

नोट-1)व्याकरण से संबंधित कार्य व्याकरण की पुस्तक से कराए जाएंगे ।
2) पढ़ाए गए पाठ को लिखें तथा याद करें ।
3) नई कॉपी उपलब्ध न हो तो किसी रफ कॉपी में पाठ का अभ्यास कार्य तथा प्रश्न उत्तर लिखें ।
4)पाठ का भावार्थ केवल पढ़ने के लिए है।
5) शब्दार्थ किताब में दिए गए हैं।
6) दिए गए क्रम के अनुसार पाठ को समझें-
क) पाठ का वाचन करें।
ख) कविता का भावार्थ पढ़ें ।
ग) कठिन शब्दों का अभ्यास लिखकर करें।
घ)फिर शब्दार्थ, प्रश्न उत्तर व अभ्यास कार्य करें